"कृत्रिम बुद्धिमत्ता: व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए वरदान या अभिशाप "

डॉ. सरिता सिंह, सह आचार्य, अर्थशास्त्र, एम .एस . जे .राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भरतपुर, saritasinghmsj@gmail.com

शोध सारांश

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) तेजी से विकसित हो रही तकनीक है जो हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर रही है। इस शोध पत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यक्तिगत सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। इसमें AI के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं की चर्चा की गई है। सकारात्मक रूप से, AI ने सुरक्षा प्रणालियों को अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बना दिया है। चेहरे की पहचान, साइबर सुरक्षा, और स्वचालित निगरानी प्रणालियों के माध्यम से अपराध रोकथाम में AI की महत्वपूर्ण भूमिका है। वहीं दूसरी ओर, गोपनीयता हनन, AI आधारित साइबर हमले, और स्वायत्त हथियारों के रूप में इसके दुष्प्रभावों की भी समीक्षा की गई है। यह शोध पत्र विभिन्न उदाहरणों और आंकड़ों के माध्यम से यह निष्कर्ष निकालता है कि AI का प्रभाव व्यक्तिगत सुरक्षा पर कितना व्यापक और गहरा है, और यह कि इसे वरदान या अभिशाप मानना वास्तव में इसके उपयोग और प्रबंधन पर निर्भर करता है।